ISBN : 978-81-984369-3-1

भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

डॉ. शोभा अग्रवाल

भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

संपादक

डॉ. शोभा अग्रवाल

सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग

एवं विभागाध्यक्ष प्रबंध संकाय

अग्रसेन महाविद्यालय

रायपुर, छत्तीसगढ़

Publisher:

Aditi Publication, Raipur, Chhattisgarh, India

Ph.: +91 9425210308

भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

Year: **2025**
Edition - **01**

संपादक
डॉ. शोभा अग्रवाल
रायपुर, छत्तीसगढ़

ISBN : **978-81-984369-3-1**

Copyright© All Rights Reserved
No parts of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of original Editor.
The responsibiltiy for facts stated, opinion expressed or conclusions reached and plagiarism, if any, in this book is entirely that of the Authors. The publisher and Editor bear no responsibility for them whatsoever.

Price : Rs. **699/-**

Publisher & Printer:
Aditi Publication,
Opp. New Panchajanya vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Raipur, Chhattisgarh, INDIA
+91 9425210308

प्रस्तावना

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न कारकों का योगदान होता है। भारतीय ज्ञान परंपरा, जो प्राचीन काल से ही भारतीय समाज का एक अभिन्न अंग रही है, अर्थव्यवस्था के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, दर्शनशास्त्र, और अध्यात्म जैसे विभिन्न क्षेत्रों का समावेश है। यह परंपरा हमें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने, पर्यावरण की रक्षा करने, और समाज के लिए उपयोगी प्रौद्योगिकी विकसित करने की प्रेरणा देती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा सदियों से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार रही है। भारत की अर्थव्यवस्था का विकास केवल आधुनिक नीतियों और तकनीकों पर निर्भर नहीं रहा, बल्कि इसकी जड़ें हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में गहराई से समाई हुई हैं। प्राचीन काल से ही भारत व्यापार, कृषि, विज्ञान, गणित, औद्योगिक उत्पादन और वाणिज्य के क्षेत्र में समृद्ध रहा है। चाणक्य द्वारा प्रतिपादित अर्थशास्त्र, कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था, समुचित व्यापारिक मार्गों का विकास, धातु विज्ञान, वस्त्र उद्योग, जल प्रबंधन और शिक्षा पद्धतियाँ इस ज्ञान परंपरा के महत्वपूर्ण स्तंभ रहे हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा ने आत्मनिर्भरता और सतत् विकास की अवधारणा को सदियों से अपनाया है। वैश्विक व्यापार मार्गों में भारत की प्रमुख भूमिका रही है, जिससे न केवल आर्थिक संपन्नता बढ़ी, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान–प्रदान भी हुआ। इस पुस्तक में भारतीय ज्ञान परंपरा के उन तत्वों पर प्रकाश डाला गया है, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को न केवल अतीत में सुदृढ़ बनाया, बल्कि आज भी आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

यह ग्रंथ भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में प्राचीन ज्ञान परंपरा के योगदान को समझने का एक प्रयास है, जिससे हम अपनी विरासत को

संरक्षित कर आधुनिक विकास की दिशा में सार्थक कदम उठा सकें। यह पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा के आर्थिक योगदान को विस्तार से समझने का प्रयास है। इसमें चर्चा होगी कि किस प्रकार प्राचीन भारतीय नीतियों और सिद्धांतों ने आज भी हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। स्वदेशी उत्पादन, प्राकृतिक संसाधनों का सतत् उपयोग, और ज्ञान–आधारित विकास की अवधारणा ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक विशिष्ट पहचान दी है।

इस पुस्तक में, 18 अध्याय है जिसमें हम भारतीय ज्ञान परंपरा और अर्थव्यवस्था के बीच संबंध का विश्लेषण करेंगे और यह बताएंगे कि कैसे भारतीय ज्ञान परंपरा भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान कर सकती है।

आधुनिक समय में, जब भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, तब हमारे प्राचीन ज्ञान और मूल्यों का पुनरावलोकन आवश्यक है। यह पुस्तक न केवल अतीत के अनुभवों को साझा करेगी, बल्कि भविष्य के लिए नए दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करेगी। आशा है कि यह पुस्तक विद्यार्थीयों, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और आम नागरिकों के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

डॉ. शोभा अग्रवाल
रायपुर, छत्तीसगढ

अनुक्रमणिका

S.No.	Particular	P.N.
01.	भारतीय ज्ञान परम्परा का परिचय **डॉ. देहुती बंछोर,** राजनांदगांव, छत्तीसगढ़	01
02.	भारत की व्यापारिक विरासत **डॉ. आराधना शुक्ला, डॉ. अशोक कुमार शर्मा** **डॉ. निधि श्री शुक्ला,** रायपुर, छत्तीसगढ़	27
03.	भारत की प्राचीन और आधुनिक व्यापार प्रणालीः विश्लेषणात्मक अध्ययन **डॉ. पुष्पा रमेश,** जबलपुर, मध्यप्रदेश	40
04.	व्यवसाय पर भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रभाव– भारतीय ज्ञान प्रणाली के विशेष संदर्भ में **राजाराम मेहरा,** नगरी, जिला धमतरी, छत्तीसगढ़	54
05.	व्यावसायिक कार्य क्षेत्र में भाषा एवं कला का प्रभावः भारतीय ज्ञान परम्परा के विशेष संदर्भ में **डॉ. त्रिवेणी पटेल** पामगढ़, जिलाः जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़	76
06.	भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से व्यवसाय के लिए अभिनव दृष्टिकोण **डॉ. शोभा अग्रवाल, पूजा मोटवानी** रायपुर, छत्तीसगढ़	95
07.	भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से संधारणीय विकास **अभिनव अग्रवाल, निधि अग्रवाल** रायपुर, छत्तीसगढ़	113

08.	भारतीय ज्ञान प्रणालीः अवसर एवं चुनौतियाँ **डॉ. मनीषा वर्मा,** दुर्ग, छत्तीसगढ़	126
09.	नवाचार और उद्यमिता में भारतीय ज्ञान प्रणाली **डॉ. संजू सिंह,** भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़	141
10.	भारतीय अर्थव्यवस्था में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिकाः एक पुनरवलोकन **भूपेन्द्र कुमार पटेल,** नवागढ़, जिलाः जाजगीर–चांपा, छत्तीसगढ़	154
11.	प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली की अनिवार्यताः वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के विशेष संदर्भ में **डॉ. गीतांजलि चन्द्राकर, हितेश पटेल** **डॉ. प्रवीण कड़वे,** रायपुर, छत्तीसगढ़	176
12.	भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से सतत् विकास के लिए स्वदेशी ज्ञान का एकीकरण **ऋतिका दीवान,** बिलासपुर, छत्तीसगढ़ **आशीष धर दीवान,** रायपुर, छत्तीसगढ़	189
13.	भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं हिन्दी साहित्य का भक्तिकालीन युग **डॉ. डॉली पाण्डेय, षष्ठी पाण्डेय** रायपुर, छत्तीसगढ़	202
14.	भारतीय ज्ञान परंपरा में अष्टांग योग साधना **डॉ. मंजू सिंह ठाकुर,** रायपुर, छत्तीसगढ़	214
15.	भारत मे उज्जवल ज्ञान की परंपरा **डॉ. राजेशकुमार मोहनभाई सोसा** भावनगर, गुजरात **डॉ. निकुंज डी. पटेल,** अहमदाबाद, गुजरात	226

16.	भारतीय ज्ञान प्रणालीः वैश्विक समृद्धि का मार्गदर्शक **अंशु दत्ता,** रायपुर, छत्तीसगढ़	236
17.	समाज और राष्ट्र निर्माण में भारतीय ज्ञान परंपरा का योगदान **रुक्मणी अग्रवाल, मोहम्मद रफीक** रायपुर, छत्तीसगढ़	245
18.	भारतीय ज्ञान परंपराः ज्ञान और शिक्षा **डॉ. लक्षेश्वरी,** रायगढ़, छत्तीसगढ़	262

डॉ. देहुती
बंछोर

डॉ. आराधना
शुक्ला

डॉ. अशोक
कुमार शर्मा

डॉ. निधि श्री
शुक्ला

डॉ. पुष्पा
रमेश

राजाराम
मेहरा

डॉ. त्रिवेणी
पटेल

डॉ. शोभा
अग्रवाल

पूजा
मोटवानी

अभिनव
अग्रवाल

निधि
अग्रवाल

डॉ. मनीषा
वर्मा

डॉ. संजू
सिंह

भूपेन्द्र कुमार
पटेल

डॉ. गीतांजलि
चन्द्राकर

हितेश
पटेल

डॉ. प्रवीण
कड़वे

ऋतिका
दीवान

आशीष धर
दीवान

डॉ. डॉली
पाण्डेय

षष्ठी
पाण्डेय

डॉ. मंजू सिंह
ठाकुर

डॉ. राजेशकुमार
मोहनभाई सोसा

डॉ. निकुंज
डी. पटेल

अंशु
दत्ता

रुक्मणी
अग्रवाल

मोहम्मद
रफीक

डॉ. लक्षेश्वरी

डॉ. शोभा अग्रवाल

डॉ. शोभा अग्रवाल अग्रसेन महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ में वाणिज्य विभाग में सहायक प्राध्यापक व प्रबंध विभाग की विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत् हैं। इन्होंने पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ से एम.कॉम., एम.फिल. और पी.एच–डी. की उपाधि प्राप्त की है।

इन्हें स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में सत्रह वर्षों का शिक्षण अनुभव है। वर्तमान में शोधार्थी इनके मार्गदर्शन में पी.एच–डी. कर रहे हैं। इनके विभिन्न शोध पत्र स्कोपस, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल और शोध के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, इसके अतिरिक्त इन्होंने पुस्तक मे अध्याय व पुस्तकें भी लिखी हैं। इन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन और एफडीपी में भाग लिया है व शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। ये शोध समागम एवं अमोघवार्ता शोध पत्रिका की मुख्य संपादक भी है।

ISBN : 978-81-984369-3-1

Aditi Publication

Aditi Publication
Opp. New Panchjanya Vidya Mandir, Near Tiranga Chowk,
Kushalpur, Dist.- Raipur-492001, Chhattisgarh
shodhsamagam1@gmail.com, +91 94252 10308

9 788198 436931

₹ 699